नौगांवा सांवरिया सेठ मंदिर में 31 को होगा नौका विहार व सावन-भादो मनोरथ

भीलवाड़ा। श्री सांवरिया सेठ मंदिर ट्रस्ट, नौगांवा की बैठक ट्रस्ट अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोडानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें मंदिर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ व पारदर्शी बनाने के लिए वर्ष 2026-27 की कार्यकारी समितियों का गठन किया गया। बैठक में दामोदर प्रसाद अग्रवाल, कैलाश डाड, कमल कंदोई और चंद्रप्रकाश आगाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सर्वसम्मति से गठित समितियों में हवन, अभिषेक व पूजा समिति का प्रमुख भंवरलाल दरगड, भंडार सामग्री व्यवस्था समिति का प्रमुख गिरिराज काबरा व सह-प्रमुख अजीत सिंह, निर्माण व मरम्मत समिति का प्रमुख सुनील नवाल तथा मंदिर दर्शन एवं महाप्रसाद वितरण समिति का प्रमुख राकेश खोईवाल व सह-प्रमुख बबलू सेन को बनाया गया है। ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार, 31 मई को मंदिर परिसर में भव्य नौकाविहार मनोरथ एवं सावन-भादो महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध आराध्य इवेंट प्लानर द्वारा संचालित इस धार्मिक उत्सव में प्रातः 11 बजे नौका विहार का शुभारंभ होगा, जहां श्रद्धालु नौका को कंधों पर उठाकर लाएंगे और प्रभु सांवरिया सेठ एवं श्रीनाथजी बाबा नौका विहार करेंगे। इसके बाद सायं 7 बजे से शीतल सेवा के तहत सावन-भादो महोत्सव कुंज दर्शन होगा, जिसमें प्रभु श्रीनाथ जी झूले में विराजेंगे और संध्याकालीन नौका विहार करेंगे। कार्यक्रम में गोवत्स दिव्यांशु महाराज द्वारा विशेष राग सेवा दी जाएगी।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का दिया संदेश

भीलवाड़ा। जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों के समन्वय से जल संरक्षण, जल बचत और जनजागरूकता से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना है।

अभियान के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा वंदे गंगा जल सेवा कार्यक्रम चलाया गया। इसके अंतर्गत विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों, भामाशाहों और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बस स्टैंड, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर राहगीरों व बस यात्रियों को शीतल पेयजल वितरित किया गया। इसके साथ ही जिले में विभिन्न पेयजल स्रोतों, हैंडपंपों और जल संरचनाओं की साफ-सफाई की गई ताकि लोगों को स्वच्छ जल स्रोतों के महत्व का अहसास कराया जा सके। इसके अलावा विभाग द्वारा एक विशेष जल परीक्षण अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत विभिन्न स्रोतों से पेयजल की गुणवत्ता जांची गई और लोगों को सुरक्षित पानी के प्रति सचेत किया गया। भूजल विभाग ने भी कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत संचालित जल संवर्धन कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कई स्थानों पर पारंपरिक जल पूजन कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। इस पूरे अभियान में अधीक्षण अभियंता धनपत राज सोनी, अधिशाषी अभियंता रामप्रसाद जाट और बख्शूराम गुर्जर सहित कई विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। जिला प्रशासन ने आमजन से जल संरक्षण को एक जन आंदोलन बनाने की अपील की है।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन एक को

गुलाबपुरा। देश और प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के आसमान छूते दाम, बिजली-पानी की बदहाल व्यवस्था, बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ एवं ब्लॉक हुरड़ा क्षेत्र/ नगरपालिका क्षेत्र में वर्तमान में उत्पन्न जनता की जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं आमजन की समस्याओं को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हुरड़ा/नगर कांग्रेस कमेटी गुलाबपुरा द्वारा सरकार के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। नगर अध्यक्ष महावीर लढ्ढा ने बताया की आक्रोश रैली बावड़ी चौराहा से 1 जून को प्रातः 9:30 बजे प्रारंभ होकर सदर बाजार होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

बढ़ती महंगाई और नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

शाहपुरा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार शाहपुरा ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा देश और प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, स्थानीय जन-समस्याओं तथा नीट पेपर लीक मामले को लेकर एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने केंद्र व राज्य सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महामहिम राज्यपाल के नाम शाहपुरा उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर, ब्लॉक अध्यक्ष महावीर कुमावत और नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन ने किया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार रैगर ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज समाज का हर वर्ग–चाहे वह गरीब हो, किसान हो, मजदूर हो या मध्यम वर्ग–महंगाई की चौतरफा मार से त्रस्त है। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ एक बड़ा खिलवाड़ बताया और कहा कि परीक्षाओं में लगातार हो रही इस तरह की धांधलियों से युवाओं का भरोसा टूट चुका है, इसलिए इसकी निष्पक्ष व उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की है कि रसोई गैस, खाद्य तेल, पेट्रोल-डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर तुरंत नियंत्रण किया जाए। इसके साथ ही शाहपुरा क्षेत्र में भीषण गर्मी के मद्देनजर अघोषित बिजली कटौती बंद कर नियमित विद्युत आपूर्ति और सुचारू पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ब्लॉक अध्यक्ष महावीर कुमावत और नगर अध्यक्ष रमेश सेन ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि इन जन-समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो पार्टी बड़े स्तर पर जनआंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष नमन ओझा, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष लादूलाल खटीक, मंडल अध्यक्ष हनुमान वैष्णव, अजय मेहता, सुनील मिश्रा, ओम सिंधी, पूर्व पार्षद ओम सेन, रामस्वरूप टेपण, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय मेहता, अर्जुन सिंह राणावत, रामप्रसाद धाकड़, पार्षद अमजद खान, सुनील पाराशर, नूर मोहम्मद, विनीत बुनकर, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष जयंत जीनगर, नगर कांग्रेस युवा अध्यक्ष अमन पौंड्रिक, शिवराज आचार्य, जयप्रकाश रैगर, भेरूलाल खटीक, फौजी राजू गुर्जर, मनीष नायक, विजय टेलर, कैलाश फामड़ा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रमिकों का फूटा गुस्सा: सिल्वर फैब मालिक का पुतला फूंका, सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा। रीको चतुर्थ फेज स्थित सिल्वर फैब प्राइवेट लिमिटेड के मालिक संपत चौरडिया द्वारा श्रमिकों के कथित शोषण और मनमानी के खिलाफ आज भीलवाड़ा में मजदूरों का गुस्सा फूट पड़ा। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) के बैनर तले बड़ी संख्या में एकत्रित हुए श्रमिकों ने मुखर्जी पार्क से एक विशाल रैली निकाली और कलेक्ट्रेट के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए फैक्ट्री मालिक का पुतला दहन किया। सीटू के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश देवानी ने बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन ने बिना किसी युक्तियुक्त कारण के श्रमिकों को सेवा से पृथक कर दिया है। इसके अलावा, मजदूरों के ओवरटाइम, ग्रेच्युटी, बोनस और पीएल (अर्जित अवकाश) जैसी न्यायसंगत राशि का भुगतान भी दबाकर रखा गया है। पीड़ित श्रमिकों ने इस संबंध में पहले उप श्रम आयुक्त से शिकायत की थी, लेकिन वहां कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर आज मजबूरन उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान टेक्सटाइल यूनियन के अध्यक्ष सोनू शर्मा, उपाध्यक्ष सद्दाम, करण सिंह, गणेश गहलोत, मोतीलाल और पीड़ित श्रमिक देवराज सिंह, देवीलाल, सत्येंद्र, लादी देवी व जोहराबानू सहित सैकड़ों मजदूरों ने मालिक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि सिल्वर फैब के मालिक से श्रमिकों के समस्त बकाए का तुरंत भुगतान करवाया जाए। साथ ही, टेक्सटाइल क्षेत्र की अन्य मिलों में भी श्रमिकों से कराए जा रहे जबरन और बिना भुगतान वाले ओवरटाइम पर तत्काल रोक लगाई जाए।

हादसों का सबब बनता शक्करगढ़ मार्ग सीता कुंड के समीप पलटा बोलेरो वाहन

बिजोलिया। बिजोलिया क्षेत्र में जर्जर सड़कें वाहन चालकों के लिए लगातार जानलेवा साबित हो रही हैं। शुक्रवार सुबह सीता कुंड के समीप एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। गनीमत रही कि वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए और कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर सड़क की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार बिजोलिया से शक्करगढ़ तक का मार्ग लंबे समय से खस्ताहाल बना हुआ है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्डे, टूटी हुई साइड पट्टियां और उखड़ा डामर वाहन चालकों के लिए हर पल खतरा पैदा कर रहे हैं। कुछ दिन पूर्व भी इसी मार्ग पर एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीण धनराज सहित क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क की दुर्दशा को लेकर कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन आज तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। परिणामस्वरूप आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। क्षेत्र के नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं होता, तब तक जिम्मेदार विभागों की नींद नहीं खुलती। जनता की सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर लगातार अनदेखी समझ से परे है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क का नवीनीकरण, गड्डों की मरम्मत और सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा

क्रमांक / नियमन / 2026/mut-658 दिनांक 28/05/2026

आम सूचना

एतद् द्वारा प्रकरण में **राजस्व ग्राम पांसल** की **आराजी संख्या 3917/2** के **कृषि भूखण्ड संख्या 9 साईज 190.00 वर्गगज** का नियमन न्यास द्वारा **श्री दिनेश कुमार पिता श्री सत्यनारायण मण्डोवरा** के हक में दिनांक 19.05.2010 को नियमन किया गया।

पट्टाधारी **श्री दिनेश कुमार पिता श्री सत्यनारायण मण्डोवरा** जरिये मु. आ. श्री मुकेशकुमार सोमानी पिता श्री इन्द्रमल सोमानी ने विक्रय किया

श्री भंवरलाल गाडरी पिता श्री डालु गाडरी ने विक्रय किया

श्री गणपत लाल चपलोत पिता श्री चांदमल चपलोत ने विक्रय किया जरिये वसीयत से

श्रीमती चन्द्रकांता देवी पत्नि श्री गणपत लाल चपलोत

श्रीमती चन्द्रकांता देवी पत्नि श्री गणपत लाल चपलोत द्वारा अपने नाम नामांतरण करवानें हेतु न्यास में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं के इस भूखण्ड के नामांतरण बाबत् यदि किसी भी व्यक्ति या संबंधित को कोई उजर/आपत्ति हो तो विज्ञापन दिनांक से सात दिवस में अपनी आपत्ति मय सबुत/दस्तावेज प्रस्तुत करे। बाद गुजरने मियाद यदि किसी व्यक्ति या संबंधित द्वारा कोई आपत्ति प्रस्तुत की जाती है तो स्वीकार नहीं की जायेगी तथा भुखण्ड का नामातंरण आवेदक के पक्ष में निर्विवाद मानते हुए कर दिया जावेगां तथा न्यास बाद में होने वाले किसी भी विवाद के लिये जिम्मेदार नहीं होगा।

प्रभारी अधिकारी (नियमन)
नगर विकास न्यास भीलवाड़ा

युवाओं को संस्कारों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता-शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद जी तीर्थ महाराज

✍ **दिलीप सोनी**
लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

ज्योतिर्मठ अवांतुर भानपुरा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद जी तीर्थ महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन धर्म के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती युवाओं का अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूर होना है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों और युवाओं को बचपन से ही धर्म, संस्कार, गौ सेवा, गुरु परंपरा और भारतीय संस्कृति से जोड़ा जाए तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। हरिसेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में आयोजित भक्त माल कथा के दौरान लोकजीवन से विशेष साक्षात्कार में शंकराचार्य महाराज ने समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भक्त माल कथा का मुख्य उद्देश्य संतों के जीवन चरित्र के माध्यम से समाज में भक्ति , सेवा और सदाचार की भावना जागृत करना है। संत परंपरा सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करती रही है तथा भारत की आध्यात्मिक चेतना को जीवित रखने में संतों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रश्न - वर्तमान समय में आध्यात्मिकता की क्या आवश्यकता है?

उत्तर - आज का जीवन तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिकता से घिरा हुआ है। ऐसे समय में आध्यात्मिकता ही मनुष्य को मानसिक शांति और आत्मबल प्रदान करती है। केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि निष्काम कर्म, सेवा और भक्ति भी मोक्ष के लिए समान रूप से आवश्यक हैं।

प्रश्न -सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक को आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तर - यदि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया का सदुपयोग किया जाए तो यह धर्म प्रचार और संस्कृति संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। संत समाज को भी समय के अनुसार आधुनिक माध्यमों का उपयोग कर युवाओं तक पहुंचना चाहिए।

प्रश्न - गौ सेवा और भारतीय संस्कृति को लेकर आपका क्या संदेश है?

उत्तर - गौ सेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। गौ माता केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति और कृषि संस्कृति का आधार हैं। परिवारों में बढ़ती दूरियों और संस्कारों के क्षरण पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार व्यवस्था, नियमित सत्संग, धार्मिक आयोजन और माता-पिता का आदर्श आचरण ही संस्कारों को बचा सकता है।

प्रश्न - भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में संत समाज की क्या भूमिका है?

उत्तर - संत समाज समाज में नैतिकता, आध्यात्मिकता और राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत कर सकता है। अधिकमास एवं पुरुषोत्तम मास आत्मशुद्धि, साधना, दान, जाप और भगवान की भक्ति का विशेष काल है। कथा श्रवण से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है और मन शुद्ध होता है। केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं, बल्कि ज्ञान के साथ भक्ति और सेवा का समन्वय भी आवश्यक है।

प्रश्न - शिक्षा और संस्कारों को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर - शिक्षा व्यवस्था में आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा को आवश्यक बनाया जाना चाहिए। यदि बच्चों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों का ज्ञान दिया जाए तो भविष्य में सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा। भारतीय परिवार व्यवस्था और संस्कारों को जीवित रखने में मातृशक्ति की सबसे बड़ी भूमिका है।

प्रश्न - पर्यावरण संरक्षण को धर्म से कैसे जोड़ते हैं?

उत्तर - भारतीय संस्कृति में वृक्ष, नदियों, पर्वत और प्रकृति की पूजा की परंपरा रही है। इसलिए प्रकृति संरक्षण भी धर्म का ही एक अंग है।

प्रश्न - हिंदुत्व और राष्ट्र निर्माण को लेकर आपका क्या संदेश है?

उत्तर - हिंदुत्व किसी के विरोध का नहीं, बल्कि मानवता, संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण का मार्ग है। संत समाज सदैव राष्ट्रहित, संस्कृति संरक्षण और समाज जागरण के लिए कार्य करता रहेगा। अंत में शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद जी तीर्थ महाराज ने देशवासियों से धर्म, संस्कृति, गौ सेवा, राष्ट्रभक्ति और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि जब समाज संस्कारित और संगठित होगा, तभी भारत पुनः विश्वगुरु बन सकेगा।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में रोगी लाभान्वित

शाहपुरा। कस्बे के कालिंजरी गेट स्थित श्री ठाकुर बाबा की बगीची में 29 एवं 30 मई को दो दिवसीय निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का समय प्रतिदिन प्रातः 9:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक रहेगा। शिविर में विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रकार की त्वचा एवं बाल संबंधी बीमारियों का निशुल्क उपचार किया जाएगा। इसमें दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, चेहरे के निशान, मस्से, सफेद दाग, झाइयां, स्किन एलर्जी, हेयर फॉल, एंड्रॉप, बालों का झड़ना एवं एग्जिमा जैसी बीमारियों का इलाज किया जाएगा। होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार जांगिड़ एवं डॉ. गोविंद साहू द्वारा मरीजों की जांच कर निशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत-श्यामपुरा
पं. स. बिजौलियां, जिला-भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक : ग्रा.पं./2026-27/23 दिनांक. 20/05/2026

आपति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि स्वामित्व योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत श्यामपुरा की आबादी भुमि में बसे लोगो को उनके स्वामित्व की भूमि का नियमानुसार प्रोपर्टी कार्ड दिया जाना है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जयपुर से प्राप्त राजस्व ग्राम भोपालगढ़ की आबादी भूमि की सर्वेसूची मय मैप 2.0 तथा प्रोपर्टी पार्सल आमजन के अवलोकनार्थ ग्राम पंचायत कार्यालय में उपलब्ध है, तथा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है। जिनका कार्यालय समय में अवलोकन किया जा सकता है, इसके संबंध में किसी प्रकार की आपति / संशोधन हेतु लिखित मय साक्ष्य दस्तावेजो आपत्ति पत्र जारी दिनांक से 30 दिवस के भीतर ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत करें । तथा मियाद उपरांत प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नोटः- आबादी स्थित अपने मकान/भूखण्डों का पट्टा स्वामित्व दस्तोवज मोबाईल नम्बर व आधार कार्ड आवश्यक रूप से साथ लेकर आवे ।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत श्यामपुरा
पं. स. बिजौलियां(भीलवाड़ा)

प्रशासक
ग्राम पंचायत श्यामपुरा
पं. स. बिजौलियां (भीलवाड़ा)

गौ सम्मान आह्वान अभियान की जिला स्तरीय बैठक में 15 करोड़ हस्ताक्षर का लक्ष्य

भीलवाड़ा। गौ माता संरक्षण, गौ सेवा एवं गौ सम्मान को लेकर संचालित गौ सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण की कार्ययोजना तय करने हेतु जिला स्तरीय बैठक अग्रवाल उत्सव भवन में ग्वाल संत स्वामी गोपालानंद सरस्वती के सानिध्य में हुई। बैठक में विधायक अशोक कुमार कोठारी, राजस्थान प्रभारी बहादुर सिंह, साध्वी गुरु मां छो बावड़ी हमीरगढ़, सुनील जागेटिया, एडवोकेट लादूलाल तेली ने उद्बोधित किया। विभिन्न संत-महात्माओं, गौ प्रचारकों, गौशाला संचालकों, मातृशक्ति, धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं जिले की विभिन्न तहसीलों से आए प्रभारियों ने भाग लिया।

बैठक में आगामी 27 जुलाई को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रार्थना पत्र कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई तथा अभियान के दूसरे चरण को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। संत सरस्वती ने अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक समाज स्वयं जागरूक नहीं होगा तब तक गौ संरक्षण का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। राजस्थान प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में राजस्थान की 18 तहसीलों से लक्ष्य 5 करोड़ हस्ताक्षरों के मुकाबले सवा पांच करोड़ हस्ताक्षर युक्त प्रार्थना पत्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उन्होंने कहा कि सरकार का सकारात्मक रवैया बना हुआ है तथा पश्चिम बंगाल, दिल्ली, असम, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में भी अभियान को समर्थन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर भी अभियान को देशभर में प्रथम चरण में व्यापक जनसमर्थन मिला। दूसरे चरण में गायत्री परिवार, पतंजलि संस्थान, बागेश्वर धाम सरकार सहित विभिन्न संगठनों ने समर्थन दिया है। आगामी चरणों में 40 करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि द्वितीय चरण में 27 जुलाई 2026 को है जिसमें 15 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विधायक अशोक कुमार कोठारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियान को सकारात्मक समर्थन देते हुए गौ सेवा राशि में वृद्धि की है। विधायक कोठारी ने गौशालाओं को मिलने वाले अनुदान को 9 माह से बढ़ाकर 12 माह करने की मांग रखते हुए नई गौशालाएं एवं नंदीशालाएं खोलने की आवश्यकता बताई। कोठारी ने केंद्र स्तर पर गौ सेवा विभाग खोलने तथा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने का समर्थन किया है। बैठक में जिला स्तरीय टोली के जगदीश चंद्र तेली, नंदलाल, दिनेश लक्षकार, कांति लाल जैन सहित सभी तहसीलों के गौ भक्त उपस्थित रहे।

पेड़ सिर्फ लगाना नहीं, पालना है जरूरी 'देश हित की बात'

पर्यावरण दिवस 5 जून है, तो मैंने सोचा कि क्यों न इस पर शोध किया, तो सबसे पहले यह पाया कि काफी अरसे से भारत देश में एक अभियान चल रहा है...

मधु भूतड़ा 'अक्षरा'
जयपुर

'एक पेड़ मां के नाम' उसके तहत् पूरे विश्व भर में पेड़ लगाए जाते हैं, विशेष कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी द्वारा इटली, इथोपिया, यूके, त्रिनिदाद, मॉरिशस, टोबेगो इत्यादि अधिकांश देशों में वृक्षारोपण किया गया है और इसी प्रकार अन्य देशों के राष्ट्रपति ने हमारे भारत देश में आकर वृक्ष लगाया है, ऐसे उच्च पद स्तर से सृजित किए हुए पेड़ों की देखभाल भी अच्छी प्रकार से होती है, तो वह पेड़ पनपते है, फूलते-फलते, खिलखिलाते, मुस्कुराते रहते हैं। यही सिलसिला अनवरत चल रहा है, उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी जी द्वारा पिछले वर्ष 50 करोड़ पौधे रोपित के लिए तैयार किये गये, यह कोई छोटा नहीं, बहुत बड़ा आंकड़ा है, हरियाली बढ़ाने के की इस अभियान में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी द्वारा जयपुर जिला में 66 लाख , उदयपुर जिला में 33 लाख और जैसलमेर जिले में 32 लाख पौधे रोपित किए गए, यह उनकी सोशल मीडिया साइट से पता चलता है। पेड़ लगाना साधारणतया बहुत अच्छी बात है, लेकिन उनकी देखभाल करना, उससे भी ज्यादा जरूरी है। कई बार बड़ी संख्या में पौधे लगा दिए जाते हैं, पर पानी, सुरक्षा और देखरेख की सही व्यवस्था नहीं होने से वे सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं।सिर्फ पेड़ लगाने के आंकड़े दिखाना काफी नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि कितने पेड़ जीवित हैं और सही तरीके से बढ़ रहे हैं। पर्यावरण बचाने का सही प्रयास तभी माना जाएगा, जब लगाए गए पेड़ों की जिम्मेदारी भी पूरी ईमानदारी से निभाई जाए। केदारनाथ सिंह जी की यह पंक्तियाँ मार्मिकता से अपनी बात भी रखती है - हरा पत्ता कभी मत तोड़ना और अगर तोड़ना भी पड़े तो पेड़ को ना हो पीड़ा। रात को जब भी रोटी तोड़ना तो पहले सर झुका कर गेहूं के पौधे याद कर लेना। भीषण गर्मी में झुलसती धरती को पेड़ों की जरूरत है ओर इंसानों को छाँव की। एक पेड़ कटता है तो पंछियों का आशियाना उजड़ जाता है, गौरैया - गिलहरियां मधुमक्खियाँ बिछुड़ जाती है, प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है। धरती से ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, फल-फूल, अन्न, औषधि, बरसात इत्यादि में कमी होती है, ऐसे में सैकड़ों पेड़ों का मरना और कटना पीड़ादायक है।

एक तथ्य यह भी है कि अगर इंसान को कृत्रिम रूप से ऑक्सीजन बनानी पड़े तो सिर्फ 6 महीना में इसकी लागत अकल्पनीय है, जबकि पेड़ यह कार्य मुफ्त में करते हैं इसीलिए पेड़ों की रक्षा अत्यंत आवश्यक है। विकास, प्रगति और विज्ञान ने मानव जीवन को सुविधाजनक बनाया है, परंतु इसके कारण पर्यावरण को कई हानियाँ भी हुई हैं। उद्योगों और वाहनों से बढ़ता प्रदूषण, पेड़ों की कटाई, जल स्रोतों का दूषित होना, प्लास्टिक कचरे की वृद्धि तथा प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और अनेक जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर खतरा बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषयों पर विश्व स्तर पर समय-समय पर अनेक बैठकें और सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। इन बैठकों में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि मिलकर प्रदूषण कम करने, ग्लोबल वार्मिंग रोकने, वन संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर चर्चा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित जलवायु सम्मेलन जैसे मंचों पर पर्यावरण बचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। भारत सजग प्रहरी बन कर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भरसक प्रयासरत है, पर ि यान्वयन और जागरूकता में कहीं न कहीं चूक हो रही है।

अंत में यही संदेश देना चाहती हूँ कि...सोच बदलो - देश बदलेगा एक पेड़ मां के नाम भावनात्मक अभियान है, लेकिन यदि पेड़ लगाकर उन्हें यूँ ही छोड़ दिया जाए, तो वह मात्र औपचारिकता बनकर रह जाता है, वहीं दूसरी ओर माता-पिता अपने बच्चों की परवरिश में पूरी निष्ठा, समय और समर्पण लगा देते हैं। अतः जैसा नया दौर है, वैसा ही हो आह्वान... एक पेड़ बच्चे के नाम पेड़ को गोद लीजिए और बच्चे की तरह उसकी परवरिश कीजिए। जिस चीज़ से अपनापन जुड़ता है, उसकी देखभाल स्वतः होने लगती है। पेड़ लगाना शुरुआत है, उसे बच्चे की तरह पालना ही सच्चा पर्यावरण संरक्षण है।

RANJAN POLYSTERS LIMITED

Regd. Office: 11-12th K.M Stone, Chittorgarh Road, Guwardi, Bhilwara- 311001 (Rajasthan).
Email: ranjanpoly@gmail.com, **Website:** www.ranjanpolysters.com
CIN: L24302RJ1990PLC005560, **Cell No.** 9413356095

EXTRACT OF AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31ST MARCH, 2026

(Rs. in Lacs)

Sr. No.	Particulars	Quarter Ended 31.03.2026	Quarter Ended 31.12.2025	Quarter Ended 31.03.2025	Year Ended 31.03.2026	Year Ended 31.03.2025
1.	Total Income from Operations (Net)	2100.87	2022.68	2148.59	9077.96	8562.73
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	139.30	305.63	225.57	1038.24	1097.40
3.	Net Profit / (Loss) for the period before Tax(after Exceptional and/or Extraordinary items)	(63.57)	305.63	225.57	835.37	1097.40
4.	Net Profit / (Loss) for the period after Tax(after Exceptional and/or Extraordinary items)	(54.59)	228.57	168.04	615.53	852.41
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(54.59)	226.60	165.25	609.61	844.52
6.	Equity Share Capital (Face Value Rs. 10/- each)	300.09	300.09	300.09	300.09	300.09
7.	Reserve excluding Revaluation Reserve	-		-	3057.61	2454.05
8.	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) 1.Basic 2. Diluted	(1.82) (1.82)	7.62 7.62	5.60 5.60	20.51 20.51	28.41 28.41

Note:-
1. The above financial results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors of the Company at their respective meeting held on 28th May, 2026. The statutory Auditors have audited the results for the quarter and year ended March 31, 2026.
2. The Financial Statement of the Company have been prepared in accordance with Indian Accounting Standards (Ind AS) notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules,2015 as amended by the Companies (Indian Accounting Standards) Amendment Rules, 2016, prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013, and other recognized accounting practices and Policies to the extent applicable.
3. The above is an extract of the detailed format of Audited Financial Results for the Quarter and Year ended 31.03.2026 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange website, www.msei.in and on the company's website, www.ranjanpolysters.com.
4. The figures of the previous period/year have been regrouped/recast wherever considered necessary.
5. The company's business activities constitute a single operating segment (textiles), in terms of Indian Accounting Standard – 108
6. The figures of the quarter ended 31st March, 2026 and 31st March, 2025 are the balancing figures between the audited figures in respect to the full financial year and published year to date figures of the third quarter of the respective financial year.

Date: 28th May, 2026
Place: Bhilwara

By the order of the Board
For: Ranjan Polysters Limited
S/d
Mahesh Kumar Bhimsariya
Managing Director, DIN No. 00131930